NT>

Title: Problems being faced by the cotton growers.

**श्री सुरेश रामराव जाधव :** महोदय, महाराट्र में जब हमारी पार्टी की सरकार थी, तब हमने कॉटन ग्रोअर्स को कपास के उत्पादन का ध्यान रखते हुए 2300 रुपए प्र ाति क्विंटल भाव देना तय किया था। अभी महाराट्र में विलासराव की सरकार है, जिसने पिछले साल कपास उत्पादकों से 1700 रुपए प्रति क्विंटल की दर से कपास खरीदने का निर्णय किया था, तथा उसमें से 1400 रुपए का नकद भुगतान करके शेा 300 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से पोस्ट डेटेड चैक्स दे दिए गए थे। ये सभी चैक्स बाउन्स हो गए हैं, क्योंकि सरकारी खाते में बैंक में पैसा नहीं है। इस साल भी महाराट्र सरकार ने महाराट्र कपास एकाधिकार खरीद योजना के तहत अब तक भी कपास की सरकारी खरीद आरम्भ नहीं की है, जबकि एक महीने से कपास की फसल तैयार है। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि कॉटन ग्रोअर्स को 300 रुपए का बकाया भुगतान करने का निर्देश देना चाहिए और कपास खरीदनी चाहिए। कॉटन ग्रोअर्स तंग आकर आत्म-हत्या कर रहे हैं। महाराट्र के विदर्भ क्षेत्र में अब तक 9 कपास उत्पादक किसान आत्म-हत्या कर चुके हैं।

अतः इस सदन के माध्यम से मेरा निवेदन है कि केन्द्र सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे और ठोस कदम उठाए।

---